



## EDITOR'S SCATVIEW

*Manoj Kumar Madhavan*

*The imminent launch of satellite internet services by major players like Starlink and Bharti Airtel marks a transformative moment for India's broadband ecosystem. While urban regions benefit from robust digital infrastructure, rural India continues to face significant connectivity challenges. Satellite internet, with its ability to provide seamless nationwide coverage, is poised to bridge this gap, ensuring greater digital inclusion.*

*This development comes at a time when internet demand is at an all-time high, driven by increasing digital consumption, remote work, and online education. As India prepares for this broadband revolution, its traditional television distribution ecosystem—DTH and Cable TV—faces mounting challenges.*

*India's pay DTH sector has seen a steady decline in active subscribers, dropping from 62.17 million in June 2024 to 59.91 million by September 2024. Meanwhile, Cable TV subscriptions stood at approximately 52 million during the same period.*

*As of September 2024, India has 902 satellite TV channels available for downlinking, of which:*

*362 are pay-TV channels (258 SD and 104 HD)*

*540 are free-to-air (FTA) channels.*

*Among the 362 pay-TV channels, the top broadcasters dominate the market:*

*Star India: 64 channels*

*Zee Entertainment Enterprises Ltd: 49 channels*

*Viacom18 Media Private Limited: 39 channels*

*Sun TV Network Limited: 31 channels*

*Culver Max Entertainment Private Limited: 22 channels*

*Additionally, the number of Multi System Operators (MSOs) providing cable TV services through Digital Addressable Systems (DAS) declined to 845 in September 2024, reflecting the ongoing consolidation in the industry.*

*DTH and Cable TV industry must unlock new growth opportunities and leverage Government Support.*

*Look at ways to subsidize hardware, such as TVs with inbuilt receivers or bundled STBs, to make television access more affordable. Expand Rural Reach with FTA-Based STBs*

*Introduce one-time purchase STBs with preloaded FTA content for rural markets and curate premium content for urban viewers. Partner with broadcasters to offer low-cost, regional pay-TV packs.*

*By embracing innovation, strategic partnerships, and consumer-centric solutions, The DTH and Cable TV sector should explore new partnerships and innovate and thus navigate the shifting landscape and expand its reach.*

*(Manoj Kumar Madhavan)*

*स्टारलिक और भारती एयरटेल जैरी प्रमुख कंपनियों द्वारा सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं का जल्द ही लॉन्च होना भारत के बॉडवैंड इकोसिस्टम के लिए परिवर्तनकारी क्षण है। जहां शहरी क्षेत्रों को मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे का लाभ मिल रहा है वहीं ग्रामीण भारत को कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सैटेलाइट इंटरनेट देशभर में निर्बाध कवरेज प्रदान करने की अपनी क्षमता के साथ इस अंतर को पाटने के लिए तैयार है जिससे अधिक डिजिटल समावेश सुनिश्चित होगा।*

*यह विकास ऐसे समय हुआ है जब इंटरनेट की मांग डिजिटल ख़पत, रिमोट वर्क और ऑनलाइन शिक्षा में वृद्धि के कारण सर्वकालिक उच्चस्तर पर है। जैसे-जैसे भारत इस बॉडवैंड क्रांति के लिए तैयार हो रहा है। इसके पारंपरिक टेलीविजन वितरण पारिस्थितिकी तंत्र डीटीएच और केबल टीवी को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।*

*भारत के पे डीटीएच खंड में सक्रिय ग्राहकों की संख्या में लगातार गिरावट देखी गयी है, जो जून 2024 में 62.17 मिलियन से घटकर सितंबर 2024 तक 59.91 मिलियन रह गया। इस बीच इसी अवधि के दौरान टीवी सक्सक्रिप्शन लगभग 52 मिलियन रहा।*

*सितंबर 2024 तक भारत में डाउनलिकिंग के लिए 902 सैटेलाइट टीवी चैनल उपलब्ध हैं जिनमें से*

*362 पे टीवी चैनल हैं (258 एसडी और 104 एचडी)*

*540 फ्री टू एयर (एफटीए) चैनल हैं।*

*362 पे टीवी चैनलों में से शीर्ष प्रसारकों का बाजार में दबदबा है:*

*स्टार इंडिया: 64 चैनल*

*जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड: 49 चैनल*

*वायकॉम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड: 39 चैनल*

*सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड: 31 चैनल*

*कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड: 22 चैनल*

*इसके अतिरिक्त डिजिटल एड्रेसेबल सिस्टम (डीएसएस) के माध्यम से केवल टीवी सेवाएँ प्रदान करने वाले मल्टी सिस्टम ऑपरेटर्स (एमएसओ) की संख्या सितंबर 2024 में घटकर 845 रह गयी जो उद्योग में चल रहे समेकन को दर्शाती है।*

*डीटीएच और केबल टीवी उद्योग को विकास के लिए अवसर तलाशने चाहिए और सरकारी सहायता का लाभ उठाना चाहिए।*

*टेलीविजन एक्सेस के और अधिक किफायती बनाने के लिए इनविल्ट रिसीवर या बंडल एमटीवी वाले टीवी जैसे हार्डवेयर पर सब्सिडी देने के तरीकों पर विचार करें। एफटीए आधारित एमटीवी के साथ ग्रामीण पहुंच का विस्तार करें।*

*ग्रामीण बाजारों के लिए प्रीलोडेड एफटीए कंटेंट के साथ एकमुश्त खरीद एमटीवी पेश करें और शहरी दर्शकों के लिए प्रीमियम कंटेंट तैयार करें। कम लागत वाले, क्षेत्रीय पे टीवी पेशकश करने के लिए प्रसारकों के साथ साझेदारी करें। नवाचार, रणनीतिक साझेदारियों और उपभोक्ता केंद्रित समाधानों को अपनाकर डीटीएच और केबल टीवी क्षेत्र को नयी साझेदारियों की तलाश करनी चाहिए और नवाचार करना चाहिए। और इस प्रकार बदलते परिदृश्य को समझना चाहिए और अपनी पहुंच का विस्तार करना चाहिए।*

*(Manoj Kumar Madhavan)*